University in News on 15 September 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

दीक्षांत समारोह के पूर्वाभ्यास में प्रो. कमल बने विजय पांडुरंग

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विवि में 67वें दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर शनिवार को पूर्वाभ्यास हुआ। इसमें राजनीति विज्ञान विभाग के प्रो. कमल कुमार मुख्य अतिथि वैज्ञानिक विजय पांडुरंग भटकर की भूमिका में नजर आए। वहीं प्रो. आंचल श्रीवास्तव ने राज्यपाल आनंदीबेन की भूमिका निभाई। विवि में सोमवार को दीक्षांत समारोह होगा।

ऐतिहासिक कला प्रांगण में होने वाले इस कार्यक्रम में मंच पर पूर्वाभ्यास में विद्यापरिषद व कार्यपरिषद के सदस्य भी शामिल रहे। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि पूर्वाभ्यास की शुरूआत शोभायात्रा से हुई। इसके बाद पदक वितरण हुआ और प्रोफेसरों के साथ सामूहिक फोटो खिंचवाने की घोषणा की गई। कार्यक्रम में प्रो. डीके सिंह ने उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और प्रो. संगीता साहू ने राज्यमंत्री रजनी तिवारी की भूमिका निभाई। इस मौके पर प्रो. अरविंद मोहन को सांकेतिक तौर पर मानद उपाधि दी गई जो वैज्ञानिक नीलेश एम देसाई को दी जानी है। इस मौके पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार, कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी आदि मौजूद रहे। (संवाद)

शिक्षक की पुस्तक का विमोचन करेंगी राज्यपाल

डॉ. उग्रसेन वर्मा।

लखनऊ। शिया कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. उग्रसेन वर्मा की किताब का विमोचन राज्यपाल 16 सितंबर को दीक्षांत समारोह में करेंगी। डॉ. उग्रसेन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति व निशुल्क और आरटीई एक विधिक अध्ययन' पुस्तक लिखी है।

छात्रों को सिखाने होंगे सफल उद्यमी बनने के गुण : प्रो. पीएस त्रिपाठी

लखनऊ। लविवि में दीक्षांत सप्ताह के तहत वाणिज्य विभाग की ओर एपीसेन सभागार में हुई संगोष्ठी में मुख्य अतिथि प्रो. पीएस त्रिपाठी ने कहा कि हमें छात्रों को सफल उद्यमी बनने के गुण सिखाने होंगे। विभागाध्यक्ष प्रो. राम मिलन, डीन प्रो. रचना मुज्जू उपस्थित रहे।

दर्शनशास्त्र विभाग ने रोल ऑफ एजुकेशन इन कल्चरल इंट्रीग्रेशन पर वाद-विवाद प्रतियोगिता हुई। मुख्य अतिथि पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. प्रवीष प्रकाश रहे। डॉ. रजनी श्रीवास्तव ने बताया कि प्रतियोगिता में शिवम प्रथम, इंद्रजीत शुक्ला द्वितीय और तृतीय पर शिव रहे।

अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में फुल स्टैक डवलेपमेंट कार्यशाला में विशेषज्ञ पंकज मिश्रा ने कई स्किल्स पर चर्चा की। (संवाद)

लविवि शिक्षकों को मिले पुरस्कार

लविवि के मालवीय सभागार में पुरस्कृत शिक्षकों के साथ कुलपति। -संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में बूस्ट योजना के तहत प्रतिष्ठित एक्लेम, प्रोत्साहन और उद्दीपन पुरस्कारों से शिक्षकों नवाजा गया। कुलपति प्रो. आलोक राय ने शिक्षकों को पुरस्कार प्रदान कर शुभकामनाएं दीं। हिंदी विभाग के प्रो. पवन अग्रवाल व प्रो. श्रुति के साथ ही प्राणी विज्ञान विभाग की डॉ. आकांक्षा एक्लेम अवॉर्ड दिया गया।

विभिन्न विभागों के जिन शिक्षकों को प्रोत्साहन पुरस्कार से नवाजा गया, उनमें भौतिक विज्ञान के डॉ. पुनीत कुमार और रसायन विज्ञान के डॉ. नीरज मिश्रा, वनस्पति विज्ञान की डॉ. सुषमा मिश्रा, डॉ. आदित्य आभा सिंह, डॉ. विकास कुमार, डॉ. प्रदीप, डॉ. सुरभि खरवार, सांख्यिकी से डॉ. शांभवी मिश्रा, प्राणिशास्त्र से डॉ. राजेश खरवार व गणित एवं खगोलशास्त्र से डॉ. अलका मिश्रा शामिल रहीं।

इसके साथ ही उद्दीपन पुरस्कार पाने वालों में 43 शिक्षकों को चुना गया। इसमें प्राणिशास्त्र के डॉ. मनोज कुमार, डॉ. शैली मलिक, डॉ. आकांक्षा शर्मा, डॉ. मोनीषा बनर्जी आदि शामिल हैं।

भाषा की उन्नति के संकल्पों पर विशेषज्ञों ने रखे विचार

लखनऊ। हिन्दी दिवस पर शहर के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में कई तरह के कार्यक्रम हुए। जिसमें हिन्दी भाषा की उन्नति के संकल्पों पर चर्चा हुई। इसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों व विषय विशेषज्ञों ने प्रतिभाग किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में हिन्दी दिवस पर हुए कार्यक्रम में राजभाषा के निवर्तमान महाप्रबंधक डॉ. गणेश मिश्रा ने संविधान में हिंदी की स्थिति पर विचार रखे। विशिष्ट अतिथि लबासना में शिक्षक रहे डॉ. गंगा प्रसाद शर्मा ने हिंदी पर शिक्षण अनुभवों को साझा किया। विभागाध्यक्ष प्रो. रश्मि कुमार व अन्य मौजूद रहे।

अटल बिहारी वाजपेई नगर निगम डिग्री कॉलेज में पद्मश्री डॉ. विद्या बिंदु ने कहा कि गुलामी के सभी चिन्हों को जीवन से निकाल फेंकना चाहिए।

केएमसी भाषा विवि के पत्रकारिता विभाग में फीचर लेखन प्रतियोगिता हुई। इस मौके पर बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। नेशनल पीजी कॉलेज में वैश्विक संदर्भ में हिन्दी विषय पर संगोष्ठी हुई। मुख्य अतिथि प्रो. अलका पांडेय ने कहा कि हिन्दी राष्ट्रीय स्वाभिमान की भाषा है। कालीचरण पीजी कॉलेज में हिंदी का स्वरूप और विकास विषय पर कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि ललितकला अकादमी के उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र मिश्रा ने कहा कि हिंदी को राष्ट्र भाषा बनाने के लिए हृदय और आत्मा से काम करना होगा। केंद्रीय संस्कृत विवि में हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ हुआ। निदेशक प्रो. सर्वनारायण झा ने कहा कि हिंदी भारत की आत्मा है।

भाषा प्रतियोगिता और संगोष्ठी का आयोजन

एपी सेन मेमोरियल पीजी कॉलेज में विश्व पटल पर हिंदी के बढ़ते कदम विषय पर भाषण प्रतियोगिता हुई। खुन खुनजी डिग्री कॉलेज में वैश्वीकरण के युग में हिंदी का बदलता स्वरूप विषय पर हुई संगोष्ठी में डॉ. कल्पना मिश्रा ने कहा कि भारत की राजभाषा हिंदी सरलता, सहजता और उदारता के कारण में विश्व में ख्याति पा रही है। नवयुग कन्या महाविद्यालय में हिंदी मनाने के साथ ही ओजोन दिवस मनाया गया। इस मौके पर वनस्पति विज्ञान विभाग में पोस्टर प्रतियोगिता हुई।

हिन्दी का महत्व बनाए रखने की ली शपथ

टाउन हॉल पब्लिक इंटर कॉलेज ने हिंदी दिवस मनाया। कार्यक्रम में कविता पाठ, वाद-विवाद और नाटक सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिनमें हिंदी भाषा का महत्व बनाए रखने के लिए शपथ ली गई।

16 सितंबर को होने वाले दीक्षांत के लिए सजाया गया लखनऊ विश्वविद्यालय।

पूर्वाभ्यास में प्रोफेसर आंचल श्रीवास्तव बनीं राज्यपाल

दीक्षांत

लखनऊ, संवाददाता। एलयू में 16 को होने वाले 67वें दीक्षांत समारोह के तहत पूर्वाभ्यास हुआ। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में पूर्वाभ्यास कराया गया।

प्रवक्ता प्रोफेसर दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि पूर्वाभ्यास की शुरुआत शोभा यात्रा से हुई। प्रोफेसरों ने हिस्सा लिया। पदक और उपाधि वितरण हुआ। कई प्रोफेसरों ने प्रमुख हस्तियों की भूमिका निभाई। सांस्कृतिकी निदेशक प्रो. आंचल श्रीवास्तव ने राज्यपाल और विश्वविद्यालय कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की भूमिका निभाई। जबकि निर्माण अधीक्षक प्रो. डीके सिंह ने उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय का किरदार निभाया। राजनीति विज्ञान विभाग के प्रो. कमल कुमार ने मुख्य अतिथि पद्म भूषण डॉ. विजय पांडुरंग भटकर की भूमिका निभाई।

विभागों में आयोजन

दीक्षांत सप्ताह के पांचवे दिन एलयूएए की ओर से खेल उत्सव के अंतिम दिन रस्साकशी, लंबी कूद और 100 मीटर की दौड़ हुई। रस्साकसी पुरुष का फाइनल मुकाबला हबीबुल्लाह और एचजेबी के बीच खेला गया। एचजेबी विजेता रहा। रस्साकसी महिला का फाइनल बीरबल साहनी और कैलाश हाल में हुआ। बीरबल साहनी हॉल जीता। प्राणिशास्त्र विभाग ने प्रो. सिराजुद्दीन और वाइल्डलाइफ साइंसेज संस्थान की निदेशक प्रो. अमिता कन्नौजिया की अगुवाई में प्रख्यात साइंटुनिस्ट प्रो. प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने मीट द साइंटिस्ट्स सत्र में विचार रखे। वाणिज्य विभाग, दर्शनशास्त्र विभाग समेत अन्य विभागों की ओर से आयोजन हुए।

पुस्तक विमोचन: दीक्षांत समारोह में डॉ. उग्रसेन वर्मा की नई शिक्षा नीति पर पुस्तक का विमोचन होगा।

HINDUSTAN PAGE 8

बूस्ट योजना के तहत शिक्षकों को एक्लेम, प्रोत्साहन और उद्दीपन अवार्ड से नवाजा

शिक्षक और शोधार्थियों को सम्मान

एलयू

एलयू में शनिवार को शैक्षिक सत्र 2022-23 में बेहतर अकादमिक कार्य करने वाले शिक्षकों व शोधार्थियों को सम्मानित किया गया।

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षिक सत्र 2022-23 में बेहतर अकादमिक कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया। बूस्ट योजना के तहत शिक्षकों को एक्लेम, प्रोत्साहन और उद्दीपन अवार्ड से नवाजा गया। मुख्य अतिथि प्रो. आलोक कुमार राय रहे।

उन्होंने बीरबल साहनी एफआरएस और राधाकमल मुखर्जी का उदाहरण देते हुए कहा कि शिक्षकों को समाज से जुड़े शोध करने चाहिए। एक्लेम पुरस्कार उन शिक्षकों को दिया जाता है जिन्होंने महत्वपूर्ण प्रगति की है। इस क्रम में हिन्दी और आधुनिक भारतीय भाषा विभाग से प्रो. पवन अग्रवाल और प्रो. श्रुति शामिल रहे। उन्हें हिंदी साहित्य में अमूल्य योगदान के लिए उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान की ओर से शब्द शिल्पी से सम्मानित किया। प्रशस्ति पत्र, पदक और पांच हजार प्रोत्साहन राशि मिली।

प्राणीशास्त्र विभाग से डॉ. आकांक्षा शर्मा को उनके प्रतिष्ठित आईएनएसए यंग साइंटिस्ट पदक 2022 के लिए सम्मानित किया गया। इसमें एक लाख, एक पदक और प्रमाणपत्र शामिल था। प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना समेत कई अन्य उपस्थित रहे।

प्रोत्साहन पुरस्कार से नौ शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इनमें प्रथम श्रेणी में दो शिक्षक भौतिक विज्ञान के डॉ. पुनीत कुमार और रसायन विज्ञान विभाग के डॉ. नीरज कुमार मिश्रा हैं। द्वितीय श्रेणी में वनस्पति विज्ञान की डॉ. सुषमा मिश्रा, डॉ. आदित्य आभा सिंह, डॉ. विकास कुमार, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. सुरभि खरवार, सांख्यिकी से डॉ. शांभवी मिश्रा, प्राणिशास्त्र से डॉ. राजेश कुमार खरवार, भौतिक विज्ञान से डॉ. पुनीत कुमार, गणित एवं खगोलशास्त्र से डॉ. अलका मिश्रा का नाम शामिल है। 43 शिक्षकों और 38 शोधार्थियों को उद्दीपन पुरस्कार मिला। उद्दीपन पुरस्कार पाने वालों में भौतिकी विभाग के 12 शोधार्थी रहे। वनस्पति विज्ञान के पांच, जूलॉजी के सात, रसायन के चार, शिक्षाशास्त्र के तीन, पुस्तकालय व सूचना विज्ञान, जैव रसायन विभागों के दो-दो, समाज कार्य विभाग से एक शोधार्थी को सम्मानित किया गया।

38 शोधार्थियों को उद्दीपन पुरस्कार दिया गया

12 शोधार्थियों को भौतिक विभाग में सम्मनित किया

- वनस्पति विज्ञान के पांच, जूलॉजी के सात शोधार्थियों को पुरस्कार
- रसायन के चार, शिक्षाशास्त्र के तीन समेत अन्य शोधार्थी सम्मानित

43 शिक्षकों को उद्दीपन पुरस्कार से नवाजा

प्राणिशास्त्र के डॉ. मनोज कुमार, डॉ. शैली मलिक, डॉ. आकांक्षा शर्मा, डॉ. मोनीषा बनर्जी, डॉ. गीतांजलि मिश्रा और वनस्पति की डॉ. गौरी सक्सेना, डॉ. एमआई अंसारी, डॉ. सुषमा मिश्रा, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. नेहा साहू, डॉ. विकास कुमार, डॉ. अलका कुमारी का नाम है। इसी तरह जैव रसायन से डॉ. सिद्धार्थ कुमार मिश्रा, डॉ. मीनल गर्ग, भौतिकशास्त्र की डॉ. रोली वर्मा, डॉ. पुनीत कुमार, डॉ. एनके पांडेय, डॉ. अमर सिंह, डॉ. आंचल श्रीवास्तव, डॉ. लीना सिन्हा, डॉ. सीआर गौतम, डॉ. विवेक सिंह, डॉ. एसपी सिंह, डॉ. अमृतांशु शुक्ला, सांख्यिकी से डॉ. शशि भूषण, फार्मा से डॉ. प्रनेश कुमार, रसायन विज्ञान से डॉ. संगीता श्रीवास्तव समेत अन्य को शामिल किया गया।

JAGRAN CITY PAGE III

लखनऊ विश्वविद्यालय में पूरी तैयारी, दीक्षा समारोह कल

लखनऊ विश्वविद्यालय में दीक्षा समारोह का पूर्वाभ्यास में शामिल कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय एवं शिक्षक व छात्र-छात्राएं ● जागरण

जासं ● लखनऊ : लवि का 67वां दीक्षा समारोह सोमवार को होगा। इसकी तैयारियों को लेकर शनिवार को पूर्वाभ्यास किया, जिसमें लवि के संकाय सदस्यों ने विशिष्ट अतिथियों की भूमिकाएं निभाईं। पूर्वाभ्यास की शुरुआत शोभा यात्रा से हुई, जिसमें लवि के प्रो. शामिल हुए।

प्रो. आंचल श्रीवास्तव ने राज्यपाल और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति की भूमिका निभाई। प्रो. डीके सिंह ने उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय का किरदार निभाया। प्रो. कमल कुमार ने मुख्य अतिथि, पद्म भूषण डा. विजय पांडुरंग भटकर और प्रो. संगीता साहू ने उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी की भूमिका निभाई। प्रो. अरविंद मोहन अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र के निदेशक निलेश एम. देसाई के किरदार में रहे।

शोभा यात्रा के पूर्वाभ्यास के बाद मंच पर पदक वितरण का अभ्यास किया गया। समारोह के सभी पहलुओं को विस्तार से शामिल किया गया, जिसमें प्रोफेसरों की शोभा यात्रा, अतिथियों का प्रवेश व बैठना, छात्रों को पदक, डिग्री व पुरस्कार देकर सम्मानित करने की प्रक्रिया शामिल थी।

15 किताबों का विमोचन करेंगी राज्यपाल : दीक्षा समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल 15 किताबों का विमोचन करेंगी। डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि इनमें से विश्वविद्यालय के साथ-साथ कुछ कालेजों के शिक्षकों की लिखी किताबें भी शामिल हैं।

शिया पीजी कालेज के विधि विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. उग्रसेन वर्मा की ओर से लिखित किताब 'नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं बालकों का निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009-एक विधिक अध्ययन' किताब भी शामिल है।

विद्यार्थियों ने ट्रैफिक जाम के लिए नागरिकों को जिम्मेदार ठहराया

लवि के 67वें दीक्षा समारोह सप्ताह के अंतर्गत भूगोल विभाग में शनिवार को 'लखनऊ में यातायात समस्या उत्तरदायित्व एवं समाधान' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता हुई। इसमें परास्नातक के विद्यार्थियों ने ट्रैफिक जाम के लिए नागरिकों को जिम्मेदार माना। अवध हास्पिटल चौराहा, तेलीबाग चौराहा, मटियारी, इंजीनियरिंग कालेज चौराहा सहित शहर में ई रिक्शा के संचालन से भी अवरोध पैदा हो रहा है। उन्होंने समाधान के लिए तेलीबाग चौराहा पर ओवरब्रिज बनाने, अवध हास्पिटल चौराहा पर अंडरपास बनाने, लाटूश रोड पर अतिक्रमण हटाने और नहियागंज मार्केट क्षेत्र में एकल मार्ग जैसे सुझाव दिए। प्रतियोगिता में पहला स्थान एमए प्रथम सेमेस्टर प्रथम की इला मिश्रा को मिला। दूसरे स्थान पर एमए, तीसरे सेमेस्टर की मीनाक्षी यादव और तीसरे स्थान पर रिंकी भारती रहीं। विभागाध्यक्ष प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने कहा कि हमें सरकारी तंत्र को दोष न देते हुए स्वयं यातायात नियमों का पालन करना चाहिए। मुख्य अतिथि डा. अनिल गौतम ने कहा कि संवेदनशील नागरिक होने के नाते हमें यातायात नियमों का पालन कर व्यवस्था में सहयोग करना चाहिए। संचालन डा. अरुण द्विवेदी ने किया।

छात्रों के बीच हुई प्रश्नोत्तरी : लवि के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की ओर से फुल स्टैक डेवलपमेंट कार्यशाला का आयोजन हुआ। विशेषज्ञ पंकज मिश्रा ने प्रस्तुतीकरण, अनुप्रयोग और डेटाबेस सहित फुल स्टैक डेवलपमेंट की विभिन्न स्किल्स पर चर्चा की। छात्रों के बीच प्रश्नोत्तरी भी हुई।

PIONEER PAGE 4

LU rehearses for 67th convocation

PNS ■ LUCKNOW

The 67th convocation of the University of Lucknow is set to take place on Monday. A rehearsal for the event was conducted on Saturday, where university faculty members assumed the roles of distinguished guests.

The rehearsal commenced with the 'shobha yatra' featuring LU professors in ceremonial procession. This was followed by a mock medal distribution and concluded with the arrangement of a group photograph for the professors.

During the rehearsal, various professors took on the roles of key figures for the ceremony. The rehearsal comprehensively covered all aspects of the convocation ceremony, including the professors' procession, the entry and seating of guests, and the procedures for honoring students with medals, degrees, and prizes.

In the lead-up to the convocation, the Botany department at the University of Lucknow organised debate and music competitions in Birbal Sahni Hall. The debate, themed 'Should GM Crops Be Used to Address Food Security', sparked insightful discussions among participants.

Under the patronage of Vice-Chancellor Prof Alok Kumar Rai and hosted by HoD Prof Gauri Saxena, the event highlighted the academic and creative spirit of the university community.

Anshu Ruth Peters from MSc (Botany) won first place in the debate for her performance.

In the music competition, MSc (Botany) Semester-1 students excelled: Aditi Mishra secured first prize, Akansha Ojha took second, and Avantika Rai received third prize.

AMRIT VICHAR PAGE 5

रस्साकशी प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाया दम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

लविवि में आयोजित रस्साकशी प्रतियोगिता में भाग लेते छात्र और छात्राएं।

अमर विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय प्री दीक्षांत समारोह खेल महोत्सव सप्ताह के अंतिम दिन शनिवार को कई खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमे प्रमुख तौर पर रस्साकशी, लंबी कूद और 100 मीटर की दौड़ शामिल थीं। रस्साकशी पुरुष की प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के कई हॉस्टल की टीमों ने भाग लिया। फाइनल मुकाबला हबीबुल्लाह हॉस्टल और एचजेबी हॉस्टल न्यू कैंपस के बीच खेला गया। जिसमे एचजेबी हॉस्टल विजयी घोषित हुआ।

रस्सा कसी प्रतियोगिता महिला मैच में फाइनल मुकाबला बीरबल साहनी हॉल एवं कैलाश हाल की टीम के बीच हुआ। जिसमे बीरबल साहनी हॉल को विजयी घोषित किया गया जो कि विदेशी छात्राओं का हॉल है। इसके आलावा लॉन्ग जम्प में भारी से भारी संख्या में छात्र - छात्राओं ने भाग लिया। पुरुष लांग जम्प में विश्वविद्यालय के लगभग 100 छात्रों ने भाग लिया। जिसमे पहले स्थान पर हनी यादव रहे जिन्होंने अपना सर्वोच्च स्कोर 5.63 मी. किया। वहीं दूसरे एवं तीसरे स्थान पर उपेंद्र यादव एवं किशन यादव रहे। दूसरी ओर महिला लांग जम्प में 55 छात्राओं ने भाग लिया। जिसमे पहले स्थान पर समृद्धि तिवारी रही तथा दूसरे एवं तीसरे स्थान पर दिक्षा गौर एवं पूजा सिंह निषाद ने परचम लहराया। 100 मी. की महिला और पुरुष दौड़ का आयोजन किया गया। पुरुष की दौड़ में विश्वविद्यालय के लगभग 150 छात्रों ने भाग लिया जिसमें पहले स्थान पर अभिषेक कुमार यादव रहे तथा दूसरे एवं तीसरे स्थान पर अनस अंसारी एवं अमन सिंह रहे। वहीं दूसरी ओर महिला दौड़ में 100 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जिसमे पहले स्थान पर माया यादव रही तथा दूसरे एवं तीसरे स्थान पर अमन यादव एवं समृद्धि तिवारी रहीं।

लविवि दीक्षांत समारोह का पूर्वाभ्यास करते हुए प्रोफेसर ।

पूर्वाभ्यास कर परखी तैयारियां

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

▸▸ प्रो. आंचल श्रीवास्तव ने राज्यपाल और कुलाधिपति की भूमिका निभाई

अमर विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय का 67वां दीक्षांत समारोह सोमवार को आयोजित किया जाएगा। शनिवार को समारोह की पूर्वाभ्यास कर तैयारियां परखीं गईं। जिसमें विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों ने विशिष्ट अतिथियों की भूमिकाएं निभाईं।

पूर्वाभ्यास की शुरुआत शोभा यात्रा से हुई। प्रो. आंचल श्रीवास्तव ने प्रदेश के राज्यपाल और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति की भूमिका निभाई। जबकि प्रो. डीके सिंह ने प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय का किरदार निभाया। प्रो. कमल कुमार ने मुख्य अतिथि, पद्म भूषण डॉ. विजय पांडुरंग भटकर की भूमिका निभाई। प्रो. संगीता साहू ने उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी की भूमिका निभाई और प्रो. अरविंद मोहन ने अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र के निदेशक निलेश एम. देसाई, जिन्हें मानद उपाधि दी जा रही है, की भूमिका निभाई।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

लविवि के 67वें दीक्षांत समारोह का पूर्वाभ्यास

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का 67वां दीक्षांत समारोह 16 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। इस समारोह का पूर्वाभ्यास शनिवार को किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों ने विशिष्ट अतिथियों की भूमिकाएं निभाईं। पूर्वाभ्यास की शुरुआत ÷शोभा यात्रा÷ से हुई, जिसमें लविवि के प्रोफेसरों ने भाग लिया। इसके बाद पदक वितरण हुआ और अंत में प्रोफेसरों के समूह की फोटो खींचने की घोषणा की गई।

इस दौरान विभिन्न प्रोफेसरों ने समारोह में प्रमुख हस्तियों की भूमिका निभाई। प्रो.आंचल श्रीवास्तव ने राज्यपाल की भूमिका निभाई। प्रो.डीके सिंह ने उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय का किरदार निभाया। प्रो.कमल कुमार ने मुख्य अतिथि, पद्मभूषण डॉ.विजय पांडुरंग भटकर की भूमिका निभाई।

तो वहीं प्रो.संगीता साहू ने उत्तर प्रदेश की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी का किरदार निभाया और प्रो.अरविंद मोहन ने अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र के निदेशक निलेश एम.देसाई, जिन्हें मानद उपाधि दी जा रही है, उनकी भूमिका निभाई। इस रिहर्सल में दीक्षांत समारोह के सभी पहलुओं को विस्तार से शामिल किया गया। जिसमें प्रोफेसरों की शोभा यात्रा, अतिथियों का प्रवेश और बैठना तथा छात्रों को पदक, डिग्री और पुरस्कार देकर सम्मानित करने की प्रक्रिया शामिल थी।

LOKSATYA PAGE 3

दीक्षांत समारोह का आयोजन कल

लखनऊ, लोकसत्य। लखनऊ विश्वविद्यालय का 67वां दीक्षांत समारोह सोमवार, 16 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। इस समारोह की पूर्वाभ्यास 14 सितंबर, शनिवार को हुई, जिसमें विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों ने विशिष्ट अतिथियों की भूमिकाएं निभाईं।

पूर्वाभ्यास की शुरुआत शोभा यात्रा से हुई, जिसमें लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों ने भाग लिया। इसके बाद पदक वितरण हुआ और अंत में प्रोफेसरों के समूह की फोटो खींचने की घोषणा की गई। इस दौरान विभिन्न प्रोफेसरों ने समारोह में प्रमुख हस्तियों की भूमिका निभाई। प्रो. आंचल श्रीवास्तव ने उत्तर प्रदेश के राज्यपाल और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति की भूमिका निभाई, जबकि प्रो. डी.के. सिंह ने उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय का किरदार निभाया। प्रो. कमल कुमार ने मुख्य अतिथि, पद्म भूषण डॉ. विजय पांडुरंग भटकर की भूमिका निभाई। प्रो. संगीता साहू ने उत्तर प्रदेश की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी की भूमिका निभाई और प्रो. अरविंद मोहन ने अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र के निदेशक निलेश एम. देसाई, जिन्हें मानद उपाधि दी जा रही है, की भूमिका निभाई। इस रिहर्सल में दीक्षांत समारोह के सभी पहलुओं को विस्तार से शामिल किया गया।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

राज्यपाल की भूमिका में दिखीं प्रो. आंचल श्रीवास्तव

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि का 67वां दीक्षांत समारोह 16 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। इस समारोह का पूर्वाभ्यास शनिवार को हुआ, जिसमें विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों ने विशिष्ट अतिथियों की भूमिकायें निभायीं। पूर्वाभ्यास की शुरूआत शोभा यात्रा से हुई, जिसमें लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों ने भाग लिया।

- लविवि के दीक्षांत समारोह का हुआ पूर्वाभ्यास

इसके बाद पदक वितरण हुआ और अंत में प्रोफेसरों के समूह की फोटो खींचने की घोषणा की गई। इस दौरान विभिन्न प्रोफेसरों ने समारोह में प्रमुख हस्तियों की भूमिका निभाई। प्रो. आंचल श्रीवास्तव ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की भूमिका निभाई, जबकि प्रो. डीके सिंह ने उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय का किरदार निभाया। प्रो. कमल कुमार ने मुख्य अतिथि, पद्म भूषण डॉ. विजय पांडुरंग भटकर की भूमिका निभाई। प्रो. संगीता साहू ने उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी की भूमिका निभायी और प्रो. अरविंद मोहन ने अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र के निदेशक निलेश एम. देसाई, जिन्हें मानद उपाधि दी जा रही है, की भूमिका निभाई। इस रिहर्सल में दीक्षांत समारोह के सभी पहलुओं को विस्तार से शामिल किया गया, जिसमें प्रोफेसरों की शोभा यात्रा, अतिथियों का प्रवेश और बैठना तथा छात्रों को पदक, डिग्री और पुरस्कार देकर सम्मानित करने की प्रक्रिया शामिल थी।

TOI PAGE 3

LU winners dedicate medals to parents

Best Sportspersons To Get Gold For Martial Arts Feats

Mohita.Tewari
@timesofindia.com

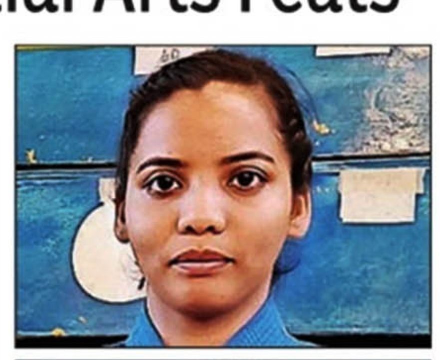

Ragini Gautam, Vinay Vishwakarma

Lucknow: First in the family to receive a gold medal at university level, Ragini Gautam is daughter of private taxi driver, Suresh Gautam, who is on cloud nine and tells every passenger about her feat. Ragini will be awarded a gold medal during Lucknow University's convocation ceremony to be held on Monday.

An MPEd student, Ragini, plays martial art Vovinam and has won the Pirie Memorial Gold Medal, awarded by the university to its best sportsperson.

"I dedicate this medal to my father, Suresh Kumar, mother, Sunita Devi and my coach Pramod Tiwari, who worked hard to help me achieve my education and martial arts dreams. I have represented India in several national and international tournaments in martial arts. Recently, I finished fifth in the international martial arts championship held in Vietnam," said Ragini.

She said, "I want to win a medal for my country and at present, I am preparing for the Asian championship. I come from a humble background and we are four brothers and sisters, but my parents always supported me and told me to focus on my studies and sports without worrying about financial support. As a result, I have won the prestigious gold medal."

Another prestigious award, the Raja Shanker Sahai of Maurawan Gold Medal, will be given to BPed student Vinay Vishwakarma, who has won several gold medals at state level in martial arts. The medal is awarded to the student sportsman with the best academic record in the university.

"I hail from Varanasi and have represented India in two international and several national and district-level events. I specialise in an Indonesian martial art known as Pencak Silat. My father, Vinod Vishwakarma, is a contractor, and my mother, Savita, is a homemaker. My parents are my pillars of support," said Vinay.

He said, "My aim is to win a medal for India in the international championship, and I am preparing for the same."

Univ all set for the convocation

Times News Network

LU V-C Prof Alok Kumar Rai during the rehearsal

Lucknow: Lucknow University meritorious students and teachers on Saturday conducted rehearsal for the convocation ceremony to be held on Monday. Teachers performed the role of chancellor, education minister, and other officials on the occasion. The rehearsals began with shobha yatra of LU professors, followed by a medal distribution, and concluded with the announcement of a group photograph for the professors.

Director of LU's Sanskritiki board, Prof Anchal Srivastava, acted as the chancellor and governor Anandiben while social work department's teacher, Prof DK Singh, played the role of higher education minister Yogendra Upadhyaya. Prof Kamal Kumar from the public administration department represented the chief guest, Padma Bhushan Dr Vijay Pandurang Bhatkar, the architect of India's national initiative in supercomputing, where he led the development of Param supercomputers.

Prof Sangeeta Sahu from the zoology department took on the role of minister of state for higher education, Rajni Tiwari, and Prof Arvind Mohan from the economics department portrayed Honoris Causa recipient space scientist Nilesh M Desai, who is serving as the director of the Space Applications Centre.

"The rehearsal covered all aspects of the ceremony, including the professors' procession, the entry and seating of guests, and the procedures of honouring students. We wanted the special day of our students to be perfect and without any confusion, hence today's rehearsal was like the actual convocation ceremony day," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

HT PAGE 3

LU honours faculty, scholars for academic excellence

HT Correspondent
letters@htlive.com

A total of 43 faculty members and 38 scholars were awarded the Uddeepan Award to celebrate their research excellence. SOURCED

LUCKNOW : The faculty members and research scholars who made outstanding contributions to academics during the 2022-23 session were felicitated with various awards under the Building Opportunity for Original and Sustainable Thinking (BOOST) scheme, on Saturday.

The scheme was launched four years ago to promote research work in the university. Vice chancellor prof Alok Kumar Rai, pro-vice chancellor Prof Manuka Khanna along with dean research prof MM Verma, dean academics prof Geetanjali Mishra and director IQAC prof Sangeeta Sahu were present on the occasion.

Rai highlighted the need for faculty members and students to identify gaps in current research practices and pursue corrective actions. "There is a need to uplift the research particularly in social sciences. The award ceremony helps in promoting a positive competition in the university," said Rai.

He also said the event is meant to celebrate collective achievements of the university and reinforce its commitment to provide excellence in both product and process, with a clear focus on sustainability.

The awards given to the faculty members who have been honoured on state, national or international levels for their literary and academic excellence were awarded to prof Pawan Agrawal and prof Shruti from department of Hindi and Modern Indian Languages and Akanksha Sharma from Zoology department.

Eleven faculty members were felicitated with Protsahan award and seed money for their research. Two of them were awarded in Category I in which university will provide 60% of the overhead amount sanctioned under the current project to principal investigators for creating necessary infrastructure or procuring items for a pilot study while others were feted in Category II for conceptualising new projects to be applied for funding from government or non-government agencies. In this, faculty members needing minor funds for preliminary experiments or surveys could get up to ₹20,000.

A total of 43 faculty members and 38 research scholars were awarded the Uddeepan Award to celebrate their research excellence. Prof Roli Misra, who was among those felicitated during the ceremony said that the award ceremony provides motivation to work harder on the research work.

Prof Shruti, who was feted with Acclaim award said that getting the ceremony helps in promoting faculty and research scholars to give their best in every possible way.

LU declares holiday on Sept 17

As per a notice issued by the university, it will remain closed on September 17, a day after the convocation ceremony.

TOOFANI ROCKERS ENERGISE FACULTY WITH CREATIVE WORKSHOPS

The group was formed as part of the convocation week celebrations SOURCED

LUCKNOW : When taking a break from their routines, some students from Lucknow University's science faculty gathered to plan flash mobs and discuss various aspects of art and culture, with their meetings often resembling a party.

From the music that students and their mentor, Prof Navina Wadhwani, jam to, to food and lively discussions about the performing arts, these gatherings have it all. Bringing the group together, Wadhwani has named them the 'Toofani Rockers'.

The group was formed as part of the convocation week celebrations, and they will now be a cultural unit of the science faculty. The group is now set to organize a lippan art workshop, extempore and jam session on Sunday.

"The group has been formed to break the monotony and give students from science to perform and bring their talents out," said Wadhwani. The latecomers, once barred from classes, are now leading the group. "This is a chance for us to discover ourselves and show others our true potential," said Harsh Tripathi, a student of BSc 2nd year.